

प्रेषक,

सुशांत पटनायक  
अपर सचिव  
उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

अपर प्रमुख वन संरक्षक  
नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन  
उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक

28 मार्च, 2011

विषय:-अनुदान सं०-27 के आयोजनागत पक्ष की केन्द्र पुरोनियामित योजना-“पाकों एवं पक्षी विहारों का विकास” के अन्तर्गत वर्ष 2010-11 की वित्तीय स्वीकृति.

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-नि०-1266/3-6(पाक पक्षी) दिनांक 10 मार्च, 2011 तथा भारत सरकार के पत्र सं०-13 00 34 24/WL दिनांक 10 सितम्बर, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग के अन्तर्गत संचालित योजना-“पाकों एवं पक्षी विहारों का विकास(100 प्रतिशत के०स०)” योजना में “गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क” हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में ₹ 26,53,000/-(₹ छब्बीस लाख तिरपन हजार मात्र)की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) धनराशि का आहरण / व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार किश्तों में किया जाय तथा धनराशि उन्हीं कार्यों में तथा उन्हीं शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अनुसार व्यय की जाय जिस हेतु केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृति की गई हो.
- (2) उक्त धनराशि वर्णित योजना हेतु समक्ष स्तर से अनुमोदित कार्ययोजनान्तर्गत स्वीकृत कार्यों/मदों पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग अन्य कार्यों के क्रियान्वयन के लिए न किया जाय.
- (3) उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय चालू योजनाओं पर एवं उन्हीं मदों/कार्यों हेतु किया जायेगा, जिसका अनुमोदन भारत सरकार द्वारा योजनान्तर्गत किया गया हो। किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये/भिन्न कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं०-187/XXVII(1)/2010, दिनांक 30 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार एवं यथास्थिति सक्षम स्तर की अनुमति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय. शासन द्वारा वांछित सूचनार्थ एवं विवरण निर्धारण प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1(वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1(लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्चोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (4) यह संज्ञान में आया है कि धनराशि विभागाध्यक्षों के निवर्तन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्षों द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निवर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है. अतः आपके निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय, जिससे की फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो, परन्तु यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि धनराशि का आहरण वास्तविक मांग आधार पर किश्तों में किया जाय.
- (5) आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी०एम०-17 पर प्रत्येक माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा.
- (6) अनुदान के अन्तर्गत होने वाली सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-फ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो.
- (7) बी०एम०-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 20 तारिख तक पूर्ण माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय.
- (8) व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है. अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय. इस सम्बन्ध में वेतन आदि मदों के अतिरिक्त शेष मदों में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल शीर्षक/मदवार बचत की कार्ययोजना बना ली जाय तथा तदनुसार विशेषकर अ तयोजनेस्तर पक्ष में बचत करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर बचत किया जाना सुनिश्चित किया जाय.
- (9) मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं०-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी.

क्रमशः.....2

- (10) जो निर्माण कार्य आरम्भ किये जा चुके हैं, के परिप्रेक्ष्य में स्वीकृत कार्य, आगणन की धनराशि, निर्गत वित्तीय स्वीकृति इत्यादि का विवरण वित्त विभाग के शासनादेश-485/XXVII(1)/2009, दिनांक 16 जुलाई, 2009 द्वारा निर्धारित किये गये प्रक्रियानुसार निर्धारित प्रपत्रों पर प्रशासकीय विभाग, नियोजन विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय.
- (11) योजनाओं की विभिन्न मर्दों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय.
- (12) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय.
- (13) अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्रावधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा.
- (14) निर्माण कार्यों के लागत व समय वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए कड़ी कार्यवाही व संघन अनुश्रवण किया जायेगा एवं इस हेतु बजट मैनुअल के प्रस्तर-211(डी) की अनुपालन सुनिश्चित की जायेगी.
- (15) विभागाध्यक्ष द्वारा वर्ष के प्रारम्भ में तथा हर माह की 10 तारीख तक वित्त एवं नियोजन विभाग को केन्द्र सहाय्यतित/बाह्य सहाय्यतित योजनाओं में अनुमोदित परिव्यय के सापेक्ष केन्द्रांश की धनराशि तथा केन्द्र सरकार से प्राप्त हुई धनराशि का विवरण उपलब्ध कराएंगे. उक्त सूचना के अभाव में वित्तीय अधिकारों पर रोक लगा दी जायेगी. केन्द्र सरकार से प्राप्त होने वाले अवशेष धनराशि का विवरण भी प्रतिमाह उपलब्ध कराया जायेगा.

2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान सं०-27 के लेखाशीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 02-पर्यावरणीय वानिकी तथा वन्य जीवन 110-वन्य जीवन परिरक्षण 01-केन्द्रीय आयोजनागत / केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें 0109-“पाकों एवं पक्षी विहारों का विकास” योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित तालिका में अंकित विवरणानुसार सुसंगत मानक मर्दों के नामे डाला जायेगा:-

(धनराशि ₹ हजार में)

पाकों एवं पक्षी विहारों का विकास	वित्तीय वर्ष 2010-11 में वित्तीय स्वीकृति से सम्बन्धित भारत सरकार का पत्र/दिनांक	भारत सरकार द्वारा स्वीकृत/कुल अनुमोदित धनराशि (₹ लाख में)	मानक मर्द	बजट प्रावधान	वर्तमान वित्तीय स्वीकृति
	1		2	3	4
गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क	13003424/WL Dt. 10.9.2010	26.53	25-लघु निर्माण कार्य 26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र 29-अनुरक्षण 42-अन्य व्यय 44-प्रशिक्षण व्यय	14000 3000 11000 2500 1500	1200 290 663 450 50
	योग	26.53		32000	2653

(वर्तमान स्वीकृति ₹ छब्बीस लाख तीरपन हजार मात्र)

2-ये आदेश वित्त विभाग के अ०शा०सं०-469(P)/XXVII(4)/2010, दिनांक 24 मार्च, 2011 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं.

भवदीय

(सुशांत पटनायक)  
अपर सचिव

क्रमशः.....3

संख्या- 887 (1)/X-2-2011, तदुद्दिनांकित.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

16. महालेखाकार(लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
17. महालेखाकार(ऑडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून.
18. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
19. प्रमुख वन संरक्षक (वन्य जीव)/मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक, उत्तराखण्ड शिद्विर कार्यालय-देहरादून.
20. मुख्य वन संरक्षक, अनुभ्रवण, मूल्यांकन तथा लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
21. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
22. प्रमुख सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
23. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
24. आयुक्त, कुमाऊं/गढ़वाल मण्डल.
25. सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
26. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून.
27. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ/सम्बन्धित कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
28. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
29. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
30. गार्ड फाइल.

आज्ञा से,

  
(सुशान्त पटनायक)  
अपर सचिव